



# Ayur Shool Niwaran Oil

Ayurvedic  
Preparation

50 ml

M.R.P : 399



Product by  
Rayhope Global



Rayhope Global Marketing Private Limited

Ayush, GMP,  
ISO, Kosher, and  
Halal certified

किसी भी कारण के शरीर में दर्द रहता है तो अभी से अलर्ट हो जाइए। ये आपको छोटी सी लगने वाली बीमारी से लेकर गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकती है। ऐसे में जरूरी है समय पर इसके कारणों का निदान करके उपचार शुरू करना। ध्यान रहें सर्फ पेनकिलर खाते रहने से यह समस्या लंबे समय में और भी घातक साबित हो सकती



- शारीरिक दर्द व्यक्ति को उनके शारीरिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी देता है। यह एक संकेत हो सकता है कि किसी कारण से शारीरिक या मानसिक रूप से समस्या हो रही हो। दर्द कई प्रकार का हो सकता है, जैसे कि मांसपेशियों, हड्डियों, नसों या अंगों में होने वाला दर्द।



- शारीरिक दर्द व्यक्ति को उनके शारीरिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी देता है। यह एक संकेत हो सकता है कि किसी कारण से शारीरिक या मानसिक रूप से समस्या हो रही हो। दर्द कई प्रकार का हो सकता है, जैसे कि मांसपेशियों, हड्डियों, नसों या अंगों में होने वाला दर्द।
- शारीरिक दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि चोट, स्थायी रूप से बीमारी, मांसपेशियों या संयुक्त कोशिकाओं के नुकसान, इंफेक्शन, और मानसिक परेशानियाँ। इसलिए, दर्द केवल शारीरिक हो सकता है, लेकिन यह मानसिक और भावनात्मक स्तर पर भी प्रभाव डाल सकता है।

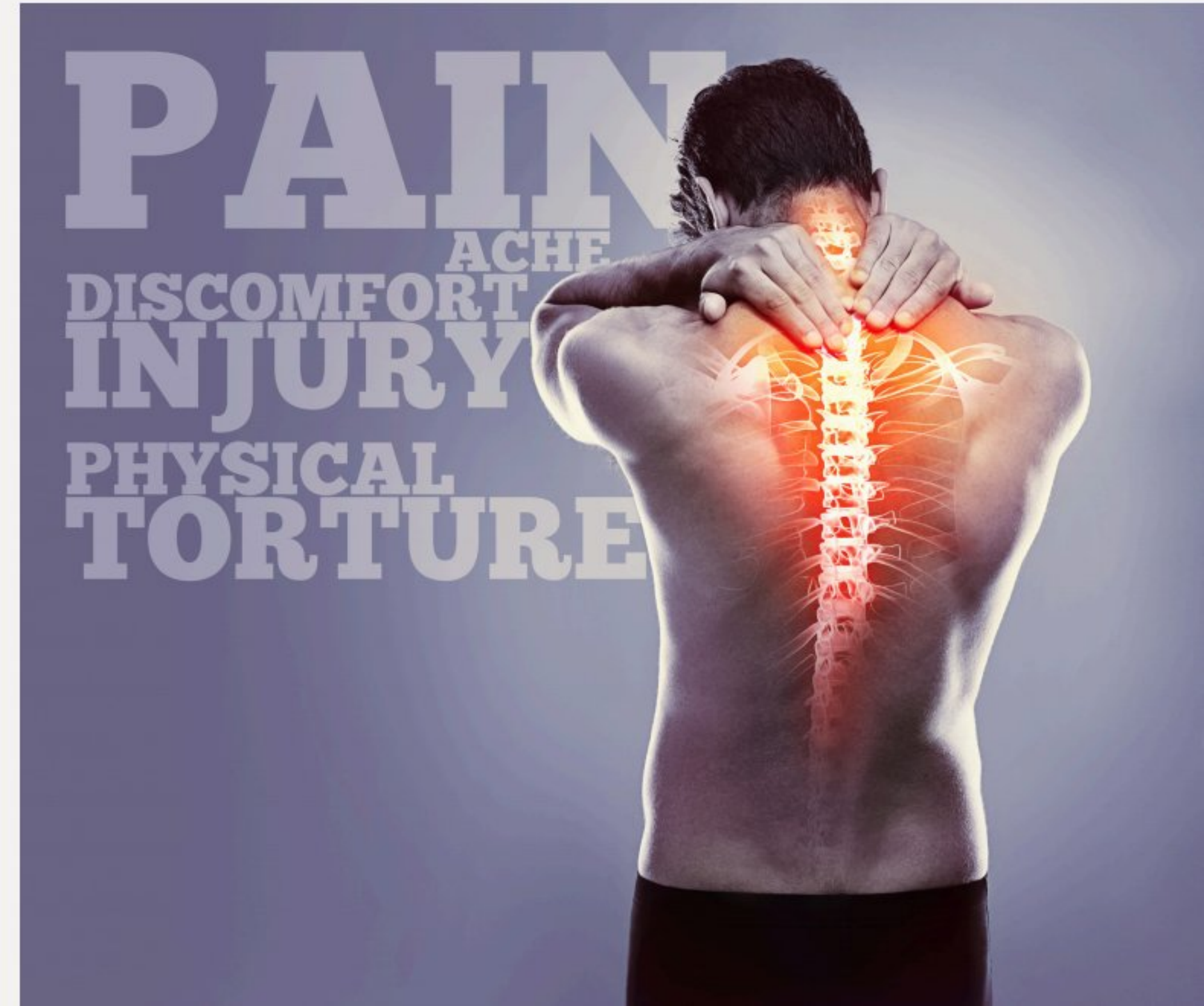


- शारीरिक दर्द व्यक्ति को उनके शारीरिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी देता है। यह एक संकेत हो सकता है कि किसी कारण से शारीरिक या मानसिक रूप से समस्या हो रही हो। दर्द कई प्रकार का हो सकता है, जैसे कि मांसपेशियों, हड्डियों, नसों या अंगों में होने वाला दर्द।
- शारीरिक दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि चोट, स्थायी रूप से बीमारी, मांसपेशियों या संयुक्त कोशिकाओं के नुकसान, इन्फेक्शन, और मानसिक परेशानियाँ। इसलिए, दर्द केवल शारीरिक हो सकता है, लेकिन यह मानसिक और भावनात्मक स्तर पर भी प्रभाव डाल सकता है।
- दर्द का अध्ययन और समझना महत्वपूर्ण है ताकि उसका सही उपचार किया जा सके। अक्सर दर्द केवल शारीरिक समस्याओं का ही संकेत नहीं होता, बल्कि यह मानसिक या भावनात्मक समस्याओं का भी प्रतिक्रियात्मक हो सकता है।



दर्द कई कारणों से हो सकता है। यह दर्द अक्सर आम समस्या होती है, लेकिन कई बार यह गंभीर चिकित्सीय समस्याओं का संकेत भी हो सकता है।

- चोट
- वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण,
- ऑस्टिओआर्थराइटिस, रीयुमेटॉयड आर्थराइटिस, गठिया
- गलत पोस्चर
- पोषण की कमी
- बाहरी कारकों के प्रभाव,
- गलत जीवनशैली



# मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द के कारण:

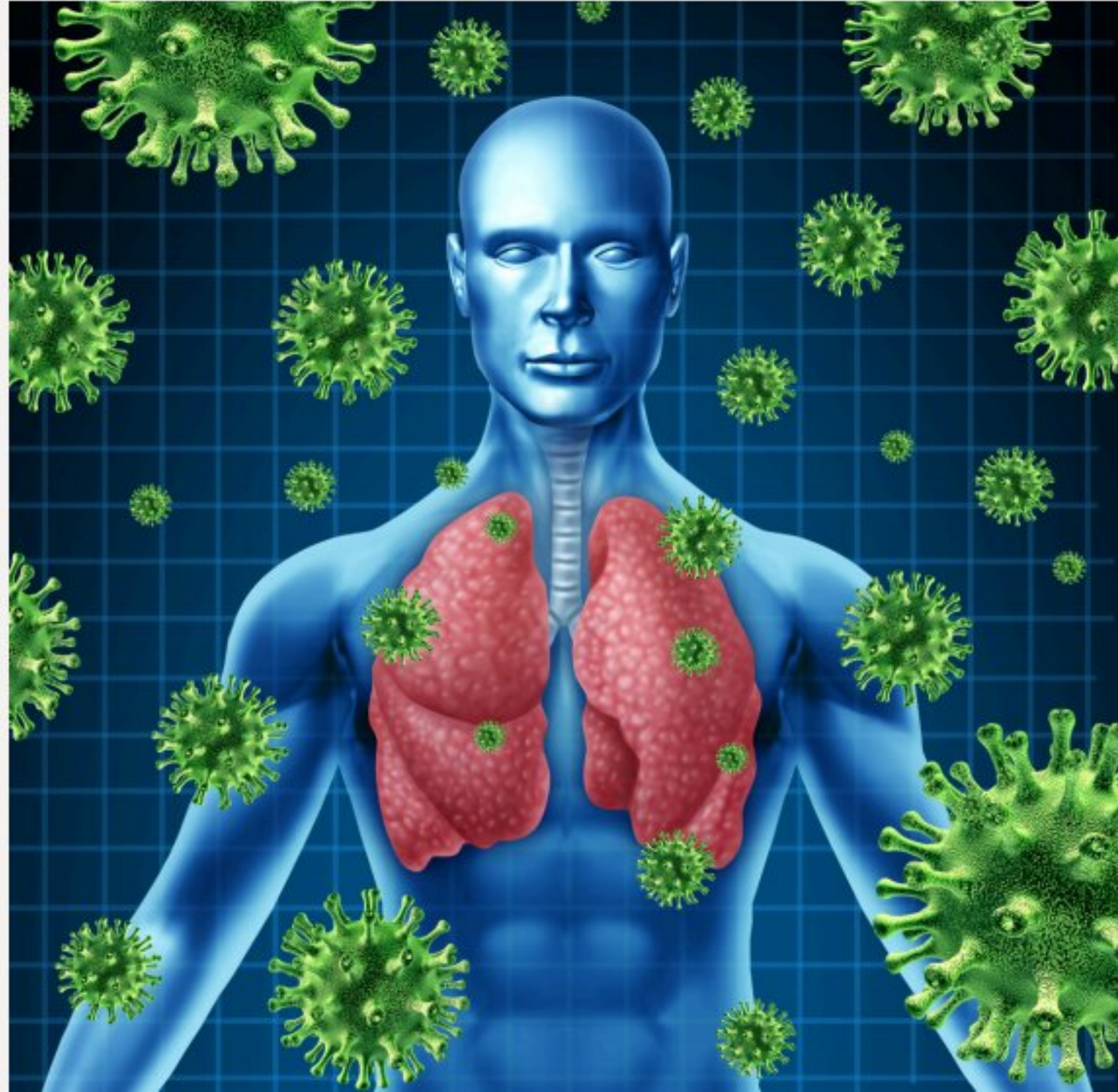
- चोट या घाव:

यदि किसी व्यक्ति को चोट लग जाती है, तो उसके मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है। इस तरह की चोटों से तंत्रिका या लिगामेंट के फटने, या मांसपेशियों के खिंचाव का असर हो सकता है।



## संक्रमण:

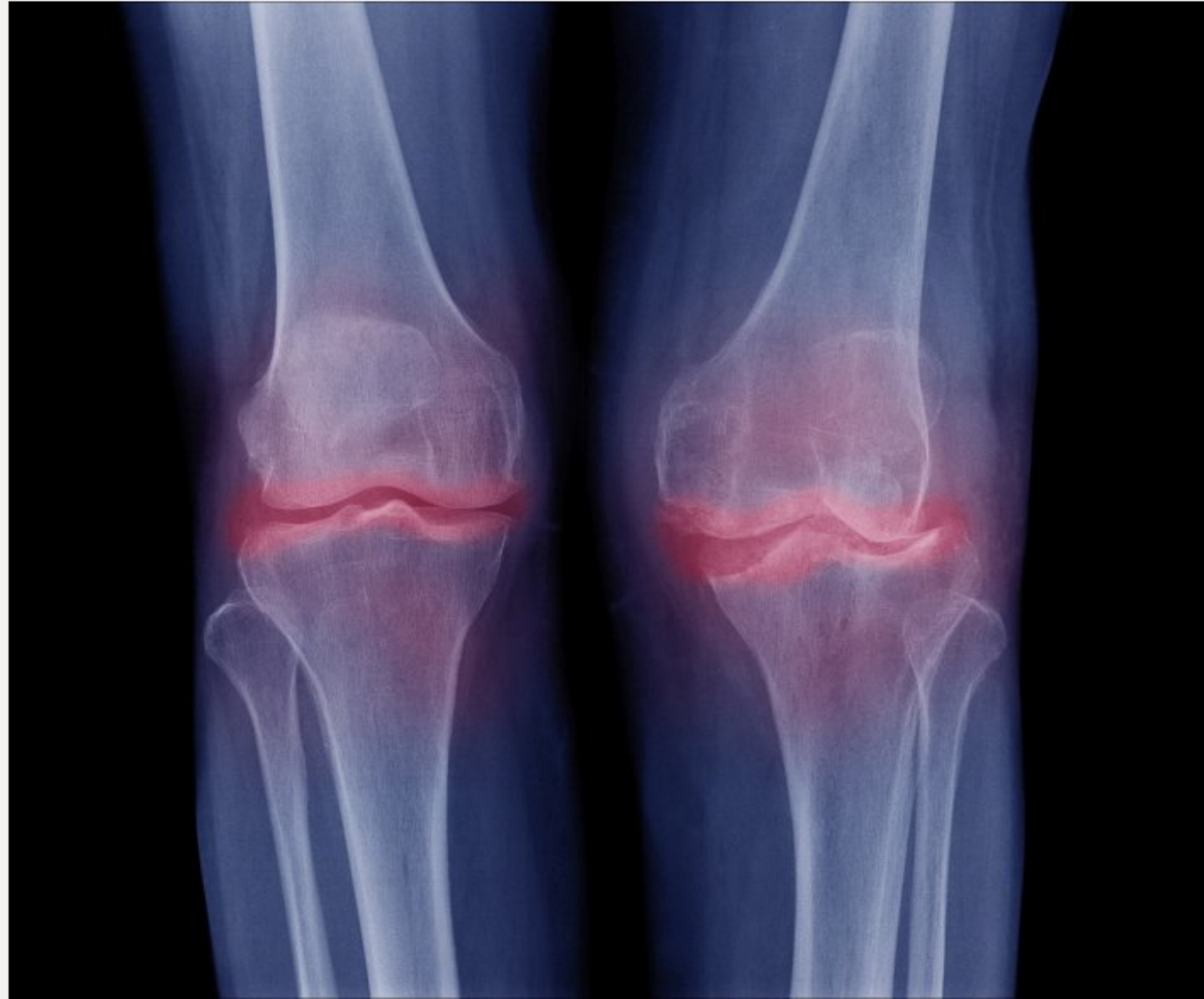
बैक्टीरियल या वायरल संक्रमण मांसपेशियों और जोड़ों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे दर्द और सूजन हो सकती है।





## ऑस्टियो-आर्थाइटिस (गठिया )

यह जोड़ों का एक आम रोग है जिसमें जोड़ की चिकनाई घट जाती है और इससे दर्द होता है।



## रीयुमेटॉयड -आर्थराइटिस:

यह एक ऑटोइम्यून रोग है जिसमें शरीर का अपना प्रतिरक्षण प्रणाली अपने ही जोड़ों को हानि पहुंचाती है, जिससे जोड़ों में दर्द, सूजन और गठिया के स्थायी नुकसान की संभावना होती है।



मांसपेशियों का अपच या साइज में कम होना या सिकुड़ना :

एक स्थिति है जिसमें मांसपेशियों के कुछ हिस्से या पूरे शरीर में तनाव, दर्द और असहजता का अनुभव होता है। इसके कारण मांसपेशियों में स्थायी या अस्थायी दर्द हो सकता है, जो व्यक्ति के दैनिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।



# टेंडनइटिस:

टेंडनइटिस मांसपेशियों की दबाव, चोट या उनकी अत्यधिक प्रयोग की वजह से हो सकता है, जिससे दर्द होता है।





**आइये , अब हम आपको  
इन सब परेशानियों का एक  
उचित उपाय बताते हैं**

# Ayur Shool Niwaran Oil



Ayurvedic Preparation

50 ml

Ayush, GMP, ISO, Kosher, and Halal certified

Product by Rayhope Global



Rayhope Global Marketing Private Limited



# Contents

- Nilgiri oil
- Sudh Kuchla
- Ashwagandha
- Kapoor
- Ajwain
- Pudina
- Lavang oil
- Nirgundi oil
- Tarpoor oil
- Gandhpurapatra oil
- Mahanarayan oil
- Til oil





**आइए , अयूर शूल निवारण आयल की  
प्रत्येक महत्वापूर्ण सामग्री के बारे में जानना  
शुरू करें**





## Nilgiri Oil

5%

नीलगिरि तेल, जिसे यूकेलिप्टस का तेल भी कहा जाता है, शारीरिक दर्द को कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें विभिन्न औषधीय गुण होते हैं जो मांसपेशियों को शांत करने में मदद करते हैं। इसके प्रमुख तत्व में सेंटनोल, पिनेन, लिमोनीन, आल्फा-टोकोफेरोल और ग्लोबुल कैम्फर होते हैं।

- नीलगिरि तेल को लगाने से मांसपेशियों में खिचाव कम होता है और इससे दर्द कम हो सकता है।
- इसके एंटी-सूजन गुण अस्थायी सूजन को कम करने में मदद करते हैं।
- इसका इस्तेमाल शारीरिक थकावट को कम करने में मदद करता है और व्यक्ति को अधिक आरामदायक महसूस कराता है।





शुद्ध कुचला, जिसे वैज्ञानिक रूप से **Strychnos nux-vomica** के नाम से जाना जाता है, एक प्राचीन और परंपरागत आयुर्वेदिक औषधि है जिसे शारीरिक दर्द को कम करने में मदद करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसका मुख्य तत्व स्ट्रिक्नीन है, जो दर्द के इस उपयोग के लिए प्रमुखतः जाना जाता है।

- शुद्ध कुचला में मौजूद स्ट्रिक्नीन नामक तत्व दर्द को कम करने में मदद करता है। यह मांसपेशियों को सुधारकर और उन्हें शांत करके दर्द को कम करता है।
- शारीरिक कठोरता को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे दर्द कम होता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है।
- यह आमतौर पर उन लोगों के लिए उपयुक्त होता है जो कमजोर नसों से पीड़ित होते हैं, जैसे कि लंबे समय तक बिस्तर पर बिताने वाले रोगियों के लिए।
- अन्य औषधियों के साथ मिलाकर रोग का संतुलित प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

## Sudh Kuchla

500 mg





# Ashwagandha

500 mg

- शारीरिक दर्द को कम करने में सहायक होता है।
- यह मस्तिष्क और स्नायु तंत्र को मजबूत करता है।
- अश्वगंधा के उपयोग से तनाव कम होता है, जो कि कई बार शारीरिक दर्द का मुख्य कारण होता है।





# Kapoor

2%

- चोटों लगने पर कपूर का तेल लगाया जा सकता है जो दर्द को कम करने में मदद कर सकता है और चोट के इलाज में सहायक हो सकता है।
- कपूर का तेल मांसपेशियों में लगाया जा सकता है, जो दर्द को कम करने में मदद कर सकता है।
- सूजन और दर्द को कम करने में मदद करता है।
- शरीर को ठंडा करने में मदद करता है और दर्द को शांत करने में सहायक होता है।





# Ajwain Satva

1%

- अजवाइन में एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं
- अजवाइन में मौजूद थायमोल जैसे गुणकारी तत्व होते हैं, जो माइग्रेन या सिरदर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं।
- इसके तेल की मालिश से सूजन कम होता है
- दर्द के स्थान पर मसाज किया जा सकता है। यह मांसपेशियों को आराम प्रदान करता है और दर्द को कम करता है।





## Pudina Satva

2%

- शारीरिक दर्द को शांत करने के लिए पुदीने के पत्तों का अच्छा प्रभाव होता है जो शारीरिक दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसे दर्द क्षमता वाले रोगों जैसे कि माइग्रेन, या घुटनों के दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
- गर्मियों में इसका इस्तेमाल करने से शारीरिक ठंडक मिलती है। इसे लू लगने, गर्मियों में तापमान बढ़ने या गर्मियों में प्रदर्शित होने वाली किसी भी गर्मी से राहत प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
- पुदीना सत्व को नशों और स्नायु को शांत करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह मसाज या तेल में मिलाकर प्रयोग किया जा सकता है ताकि नशों और स्नायु में दर्द को शांत किया जा सके और शारीरिक तनाव को कम किया जा सके।





- इससे स्थानीय उपचार होता है और दर्द कम होता है।
- यह तेल गर्मी के कारण दर्द को कम करने में मदद करता है

## Lavang Oil

3%



## Nirgundi Oil

5%



निर्गुंडी के तेल को संजीवनी तेल भी कहा जाता है और यह आमतौर पर शरीर के दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

- इसमें एंटी-इन्फ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल, और प्रतिरक्षात्मक गुण होते हैं जो शारीरिक दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं।
- यह , मांसपेशियों के दर्द, घावों के दर्द, जोड़ों के दर्द, सिरदर्द, और मांसपेशियों की कसावट को कम करने में मदद करता है।
- इसके अलावा, निर्गुंडी का तेल मसाज के लिए भी उपयोगी होता है और यह शारीरिक दर्द और तनाव को कम करने में मदद करता है।





## Tarpoor Oil

5%

तारपूर, जो कि अंग्रेजी में "turpentine" के रूप में भी जाना जाता है, एक प्राकृतिक तरल होता है जो पेड़ों से प्राप्त किया जाता है। यह तेल विभिन्न चिकित्सा गुणों के लिए प्रयोग किया जाता है, जिसमें दर्द कम करना भी शामिल है।

तारपूर में पाए जाने वाले उपादानों में अंतिमांशिता होते हैं, जिन्हें ठंडाई, एंटी-सेप्टिक, और प्राकृतिक गुणों के लिए जाना जाता है। इसके तेल को बाहरी रूप से इस्तेमाल करके यह शरीर के दर्द को कम करने में मदद करता है, क्योंकि यह त्वचा के ऊपरी स्तर पर ठंडाई प्रदान करता है और तंतुओं को शांत करने में मदद करता है।





## Gandhapurapatra Oil

10%



गंधापूरा पात्रा, जिसे अंग्रेजी में **Gaultheria Fragrantissima** के नाम से भी जाना जाता है, एक औषधीय पौधा है जिसके पत्तों में मेथाइल सालिसिलेट होता है, जो शरीर के दर्द को कम करने में मदद करता है।

- मेथाइल सालिसिलेट एक प्रकार का सेलिसिलिक एसिड है जो कि एक प्रकार का पेन किलर और एंटी-इन्फ्लामेटरी होता है।
- यह दर्द और सूजन को कम करने में मदद करता है।
- गंधापूरा के तेल को सामान्यतः बाह्य रूप से उपयोग किया जाता है, जो कि अधिकतर मसाज या लोशन के रूप में होता है, ताकि इसकी मेथाइल सालिसिलेट से शरीर के दर्द को कम किया जा सके।



## Mahanarayan Oil

20%



महानारायण तेल एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक तेल है जो भारतीय चिकित्सा प्रणाली में प्रयोग होता है। इसमें कई प्रकार के औषधीय जड़ी बूटियों का उपयोग होता है, जिनमें महानारायण प्लांट, अश्वगंधा, धनिया, शतावरी, जैतून का तेल, गुड़ा, शुंगी और अदरक शामिल होते हैं।

- विभिन्न प्रकार के शारीरिक दर्द, स्नायु दर्द, मांसपेशियों के दर्द, जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की खिचाव को कम करने में किया जाता है। इसका अधिकतर उपयोग मांसपेशियों के दर्द को कम करने और शरीर को शारीरिक थकावट से राहत प्रदान करने के लिए किया जाता है।
- इसमें मौजूद औषधीय घातक प्रभाव शारीरिक दर्द को कम करने और शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह तेल आमतौर पर मालिश के रूप में उपयोग किया जाता है जिससे शरीर के दर्द को कम करने में मदद मिलती है।



तिल का तेल एक प्राकृतिक तेल होता है जो तिल के बीजों से निकाला जाता है। यह तेल सेसमम इंडिकम नामक पौधे के बीजों से प्राप्त किया जाता है। तिल का तेल भारतीय रसोई में व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है, और यह आयुर्वेदिक औषधि में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

- तिल के तेल में एंटी-इन्फ्लामेटरी गुण होते हैं जो शरीर में इन्फ्लेमेशन (सूजन) को कम कर सकते हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है।
- शरीर को गर्म करने की क्षमता रखता है, जिससे रक्त संचार बढ़ता है और मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मदद मिलती है।
- तिल का तेल विटामिन्स और मिनरल्स का स्रोत होता है जैसे कि विटामिन ई, बी-कॉम्प्लेक्स, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आदि, जो शरीर के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं।

## Til Oil (BASE)





# इन स्थितियों में Ayur Shool Niwran Oil का लाभ मिल सकता है

- पीठ का दर्द
- कमर का दर्द
- जोड़ों का दर्द
- मांसपेशियों में सूजन
- हाथ में दर्द
- पैरों में दर्द
- सर दर्द
- स्नायु व नसों में आराम



Ayush, GMP,  
and  
WHO certified

**Ayurvedic  
Preparation  
50 ml**



Rayhope Global Marketing Private Limited



**Ayurvedic  
Preparation  
50 ml**

## **Dose**

दिन में तीन बार दर्द या दिक्कत वाली जगह पे  
अच्छी तरह से मालिश करे और उसे एक साफ़  
कपडे से ढक के रखें



Rayhope Global Marketing Private Limited

# Ayur Shool Niwaran Oil



Ayurvedic Preparation

50 ml

M.R.P : 399

Ayush, GMP, ISO, Kosher, and Halal certified

Product by Rayhope Global



Rayhope Global Marketing Private Limited